राम लला घर आए है मिलकर सारे दीप जलाओ

मन उपवन में फूल खिले,
अब नैन मेरे सुख पाए है,
मिलकर सारे दीप जलाओ,
राम लला घर आए है,
मिलकर सारे दीप जलाओ,
राम लला घर आये हैं।bd।

रोम रोम अब खिलने लगा,
तेरी आहत के अहसास से,
लौटे है रघुनाथ हमारे,
वर्षो के वनवास से,
सजल हुई है सुखी अखियां,
लब मेरे मुस्काए है,
मिलकर सारे दीप जलाओ,
राम लला घर आये हैं।bd।

किन शब्दों में करूँ मैं वर्णन,
उस पावन सुखधाम का,
धन्य अयोध्या की वो धरती,
जहाँ पे घर मेरे राम का,
चौखट के पत्थर भी अपनी,
किस्मत पर इतराए है,
मिलकर सारे दीप जलाओ,
राम लला घर आये हैं।bd।

ये खुशहाली वाला सूरज,
रातें गिन गिन आया है,
घड़ियां बीती सदियां बीती,
तब ये शुभ दिन आया है,
'सोनू' के वीराने मन ने,
गीत खुशी के गाए है,
Bhajan Diary Lyrics,
मिलकर सारे दीप जलाओ,
राम लला घर आये हैं।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मन उपवन में फूल खिले,
अब नैन मेरे सुख पाए है,
मिलकर सारे दीप जलाओ,
राम लला घर आए है,
मिलकर सारे दीप जलाओ,
राम लला घर आये हैं।bd।

Singer – Sheetal Pandey, Amit Dhull

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com